P-540

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-604

संहिता स्कन्ध-01

MA Jyotish (MAJY)

3rd Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. नारद संहिता के अनुसार भूकम्प लक्षण का विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. संहिता ज्योतिष के महत्त्व को स्पष्टतया प्रतिपादित करें।

3. नारद संहिता अनुसार ग्रहचार को परिभाषित करें तथा द्वादश राशिगत गुरु चार को प्रतिपादित कीजिए।

4. बृहत्संहिता के अनुसार चन्द्र, भौम और बुध का वर्ष फल लिखिए।

5. वृष्टि कारक का विस्तार से वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. प्राचीन भारतीय वृष्टि विज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों का उल्लेख करें।

2. मेघ के गर्भकाल पर प्रकाश डालें।

3. दकार्गल से आप क्या समझते हैं? सप्रयोजन स्पष्ट कीजिए।

4. प्रतिसूर्य लक्षण पर टिप्पणी लिखें।

5. दिव्य उत्पाद से आप क्या समझते हैं?

6. मेघों के विशिष्ट गुणों को व्याख्यायित कीजिए।

7. वर्षेश, सस्येश, रसेश आदि का उल्लेख कीजिए।

8. कूप और वापी के लक्षण को प्रतिपादित कीजिए।